



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 207] नई दिल्ली, बुधवार, जून 17, 1993/ज्यैष्ठ 27, 1915

No. 207] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 17, 1993/JYAISTHA 27, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(निवेश प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1993

अधिसूचना

सा.का.नि. 458(अ).—प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 में भागे संशोधन
करने के लिए कतिपय नियमों जिनको प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956
(1956 का 42) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन

में बनाने का सरकार का प्रस्ताव था, का निम्नलिखित मसौदा, इससे संभवतया प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों की सूचना के लिए उक्त धारा की उप-धारा (3) में यथापेक्षित एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है और एतद्द्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि उक्त मसौदे पर उस तिथि से आगे पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर अथवा उसके बाद विचार किया जाएगा जिस तिथि को भारत के राजपत्र की प्रतियां जिसमें यह अधिसूचना प्रकाशित की जाती है, जनता को उपलब्ध कराई जाती हैं।

उक्त अवधि की समाप्ति से पूर्व उक्त मसौदा के संबंध में किसी व्यक्ति से प्राप्त किसी प्रकार की आपत्तियों अथवा सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

उक्त मसौदा नियमों के संबंध में कोई आपत्ति अथवा सुझाव देने का इच्छुक व्यक्ति ऊपर निर्दिष्ट अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार के विचारार्थ उन्हें सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेज सकता है।

मसौदा नियम

1. (1) इन नियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन) संशोधन नियम, 1993 कहा जाए।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम, 19, उप नियम (2), खण्ड (ख) में (क) आरम्भिक भाग में, शब्द "साठ प्रतिशत" के स्थान पर शब्द "पच्चीस प्रतिशत" प्रतिस्थापित किये जाएं;

(ख) परन्तुक हटा दिया जाए;

(ग) स्पष्टीकरण में शब्द "ग्यारह प्रतिशत तक, जनता को दी जाने वाली प्रतिभूतियों के साठ प्रतिशत के भाग के रूप में अभिप्रेत है" के स्थान पर शब्द "जनता को दी जाने वाली प्रतिभूतियों के पच्चीस प्रतिशत का भाग नहीं होगा" प्रतिस्थापित किए जाएं।

[फा. सं. 1(33)/एस ई. /92]

एस. वरदाचारी, संयुक्त सचिव (वि. वा. न्द.)
निवेश और तकनीकी सहयोग)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June, 1993

G.S.R. 458(E).—The following draft of certain rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 which the Central Government proposed to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published are made available to the public.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be considered by the Central Government.

Any person desiring to make any objection or suggestion in respect of said draft rules, may forward the same for consideration by the Central Government within the period so specified above to the Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) Amendment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In rule 19, in sub-rule (2), in clause (b),

(a) in the opening portion, for the words "sixty per cent", the words "twenty-five per cent" shall be substituted;

-
- (b) the proviso shall be omitted;
- (c) in the Explanation, for the words “up to eleven per cent. shall be construed as a part of the sixty per cent. or the securities to be offered to the public”, the words “shall not form part of the twenty-five per cent. of the securities to be offered to the public” shall be substituted.

[F. No. 1/33/SE/92]

S. VARADÁCHARY, Jt. Secy.